PlanetRead

Literacy for a Billion

Movie: Lagaan
Year: 2001

Song: Ori Chori
Lyricist: Javed Akhtar

ओ री छोरी
ओ री छोरी
मान भी ले बात मोरी
मैंने प्यार तुझीसे है किया
हो ओ
तेरे बिन मैं जीया तो क्या जीया
ओ तेरे नैनों में ये जो काजल है
सपनों का बादल है
मन तेरे ही कारण पागल है
ओ गोरिया
हो ओ ...

ओ रे छोरे
दिल से निकले बोल मोरे
ओ रे छोरे
दिल से निकले बोल मोरे
मैंने प्यार तुझीसे है किया
हाँ मैंने तुझको ही माना है पिया
ओ तूने थामा आज ये आँचल है
मन में इक हलचल है
मैं ना भुलूँगी ये वो पल है
साँवरिया
हो ओ ...

मोरे मन में
मोरे मन में थी जो बात छुपी
आई है ज़बान पर
मोरे दिल में कहीं इक तीर जो था
आया है कमान पर
सुन सुन रे सजन
रहे जनम जनम
हम प्रेमनगर के बासी
थामे थामे हाथ
रहे साथ साथ
कभी दूरी हो ना जरासी
चलूँ मैं संग संग तेरी राह में
बस तेरी चाह में
हो...
ओ रे छोरे
ओ रे छोरी

कोई पुछे
कोई पुछे तो मैं बोलूँ क्या
के मुझको हुआ है क्या
मोरे अंग अंग में है सुगंध
जा तूने है छू लिया
तन महका महका
रंग दहका दहका
मुझे तू गुलाब सी लागे
जो है ये निखार
और ये सिंगार
तो क्यों ना कामना जागे
तेरा उजला उजला जो रूप है
यौवन की धूप है
हो...
ओ रे छोरी
ओ रे छोरे

Literacy for a Billion

दिल से निकले बोल मोरे
मैंने प्यार तुझीसे है किया
हाँ मैंने तुझको ही माना है पिया
ओ तूने थामा आज ये आँचल है

मन में इक हलचल है
मैं ना भूलूँगी ये वो पल है
ओ गोरिया
हो ओ ...

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.